B.A. (Honours) Examination 2017
Semester-II
Hindi (Honours)
Course : H-3
(मध्यकालीन कविता :भाग-2)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए 2×8=16

(क) प्रेम अमोलिक नग सयंसारा। जेहिं जिऊं प्रेम सो धनि औतारा।
पेम लागि संसार उपावा। पेम गहा बिधि परगट आवा।
पेम जोति सम सिष्टि अंजोरा। दोसर न पाव पेम कर जोरा।
बिरूला कोई जाके सिर भागू। सो पावै यह पेम सोहागू।।

(ख) लटुवा लौं प्रभु-कर गहैं निगुनी गुन लपटाइ।
वहै गुनी-कर तैं छुटैं निगुनीयै ह्वै जाई।।
है हिय रहँति हई छई, नई जुगति जग जोइ।
दीठहिं दीठि लगै, दई, देह दूबरी होइ।।

(ग) छूटत कमान बान बंदूकरू कोकबान मुसकिल होत मुरचानहू की ओट में।
ताहि समै सिवराज हुकुम कै हल्ला कियो दावा बाँधि द्वेषिन पै बीरन लै जोट में।
भूषन भनत तेरी हिम्मति कहाँ लौं कहौं किम्मति इहाँ लगि है जाकी भटझोट में।
ताव दै दै मूछन कगूरन पै छाँव दै दै घाव दै दै अरिमुख कूदैं परैं कोट में।

(घ) बरन बरन तरू फूले उपबन बन,
सोई चतुरंग संग दल लहियत है।
बंदी जिमि बोलत बिरद बीर कोकिल हैं,
गुंजत मधुप गान गुन गहियत है।।
आवै आस-पास पुहुपन की सुबास सोई
सोधे के सुगंध माँझ सने रहियत है।
सोभा कौं समाज सेनापति सुख-साज, आज
आवत बसंत रितुराज कहियत है।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) पठित अंशों के आधार पर "मधुमालती" में वर्णित 'वचन संबंधी' विचार को स्पष्ट कीजिए।

(ख) बिहारी ने अपने दोहों में शृंगार, नीति और भक्ति की मार्मिक अभिव्यक्ति की है। सिद्ध कीजिए।

(ग) पठित अंशों के आधार पर भूषण की कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(घ) सेनापति के काव्य में निहित काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।